# PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
## Middle School Teacher Eligibility Test - 2018
## 09th Mar 2019 09:30AM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

**1) According to John Dewey, ________must be experienced by the children in school to make them better citizens. / जॉन डेवी के अनुसार, बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने के लिए विद्यालय में _______ का अनुभव कराया जाना चाहिए।**

1. Rules / नियम

2. Discipline / अनुशासन

3. Experimental awareness / प्रायोगिक जागरूकता

4. Democracy / लोकतंत्र

**Correct Answer :-**

- Democracy / लोकतंत्र

**2) Find the correct sequence of stages of child development. / विकास की अवस्थाओं का सही क्रम ज्ञात कीजिए।**

1. Infancy, Childhood, Adolescence, Adulthood /शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ता

2. Adulthood, Adolescence, Childhood, Infancy /प्रौढ़ता, किशोरावस्था, बाल्यावस्था, शैशवावस्था

3. Infancy, Adolescence, Childhood, Adulthood /शैशवावस्था, किशोरावस्था, बाल्यावस्था, प्रौढ़ता

4. Childhood, Adolescence, Infancy, Adulthood /बाल्यावस्था, किशोरावस्था, शैशवावस्था, प्रौढ़ता

**Correct Answer :-**

- Infancy, Childhood, Adolescence, Adulthood /शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ता

**3) ______ is major environmental risk factor for poor child development / गरीब बच्चे के विकास के लिए ______ प्रमुख वातावरणीय जोखिम कारक है।**

1. Diarrhea / डायरिया

2. HIV / एचआईवी

3. Chickenpox / चेचक

4. Diabetes Mellitus / मधुमेह

**Correct Answer :-**

- HIV / एचआईवी

**4) Curative measures of juvenile delinquents are _____. / किशोर अपराधी के उपचारात्मक उपाय _______ हैं।**

1. maintaining strict discipline / कठोर अनुशासन बनाए रखना

2. rehabilitation and correction programmes / पुनर्वास और सुधार कार्यक्रम

3. isolated treatments / पृथक उपचार

4. rigorous punishments / कठोर दंड

**Correct Answer :-**

- rehabilitation and correction programmes / पुनर्वास और सुधार कार्यक्रम

**5) Which theory encourages private speech, and self-regulation? / कौन-सा सिद्धांत निजी भाषण और आत्म-नियमन को प्रोत्साहित करता है?**

1. Jerome Bruner / जेरोम ब्रूनर

2. Jean Piaget / जीन पियाजे

3. Hattie / हैटी

4. Lev Vygotsky / लेव वाइगोत्सकी

**Correct Answer :-**

- Lev Vygotsky / लेव वाइगोत्सकी

**6) Which of the following is not an aspect of emotional intelligence? / निम्नलिखित में से कौन भावनात्मक बुद्धिमत्ता का एक पहलू नहीं है?**

1. Expression / अभिव्यक्ति

2. Assessment / मूल्यांकन

3. Change / परिवर्तन

4. Regulation / विनियमन

**Correct Answer :-**

- Change / परिवर्तन

**7) The order in which language is acquired is: / वह क्रम जिसमें भाषा अर्जित की जाती है:**

1. Speaking, Hearing, Reading, Writing / कथन, श्रवण, पठन, लेखन
2. Hearing, Speaking, Writing, Reading / श्रवण, कथन, लेखन, पठन
3. Writing, Reading, Hearing, Speaking / लेखन, पठन, श्रवण, कथन
4. Hearing, Speaking, Reading, Writing / श्रवण, कथन, पठन, लेखन

**Correct Answer :-**

- Hearing, Speaking, Reading, Writing / श्रवण, कथन, पठन, लेखन

**8) The type of education wherein students of disadvantaged groups are taught along with the normal students is called: / सामान्य छात्रों के साथ-साथ वंचित समूहों के छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा का प्रकार निम्न कहलाता है:**

1. Inclusive Education / समावेशी शिक्षा
2. Exclusive Education / अनन्य शिक्षा
3. Special Education / विशेष शिक्षा
4. Integrated Education / एकीकृत शिक्षा

**Correct Answer :-**

- Inclusive Education / समावेशी शिक्षा

**9) The state of being left out of the mainstream system of services is called ________.**

**/ सेवाओं की मुख्य प्रणाली से बाहर रहने की अवस्था को ________ कहा जाता है।**

1. Inclusion / अंतर्वेशन
2. Universalization / सार्वभौमिकरण
3. Existentialism / अस्तित्ववाद
4. Marginalization / पार्श्वीकरण

**Correct Answer :-**

- Marginalization / पार्श्वीकरण

**10)**

**A sculptor needs __________ intelligence to be successful. / एक मूर्तिकार को सफल होने के लिए ________ बुद्धि की आवश्यकता होती है।**

1. Musical / संगीत (म्यूजिकल)

2. Spatial / स्थानिक (सेप्टियल)

3. Interpersonal / पारस्परिक (इंटरपर्सनल)

4. Linguistic / भाषा संबंधी (लिंग्विस्टक)

**Correct Answer :-**

- Spatial / स्थानिक (सेप्टियल)

11) **What skills involve the small muscles of the body and hand-eye co-ordination? / कौन-से कौशल में शरीर और हाथ-आँख समन्वय की छोटी मांसपेशियाँ सम्मिलित होती हैं?**

1. Fine motor skills / उत्कृष्ट मोटर कौशल

2. Fine movement skills / उत्कृष्ट गति कौशल

3. Gross motor skills / सकल मोटर कौशल

4. Body-kinesthetic skills / शारीरिक- गतिसंवेदी बुद्धि

**Correct Answer :-**

- Fine motor skills / उत्कृष्ट मोटर कौशल

12) **What is the first sounds of meaningless speech that a baby makes called? / उस अर्थहीन भाषण की पहली ध्वनि को क्या कहते हैं जिसे बच्चा करता है?**

1. Babbling / बड़बड़ाहट

2. Telegraphic speech / टेलीग्राफिक भाषण

3. Crying / रोना

4. Syntax / वाक्य - विन्यास

**Correct Answer :-**

- Babbling / बड़बड़ाहट

13) **What principle is being used when a negative stimulus is removed from the environment in order to ensure that a behavior persists? / किस सिद्धांत का उपयोग किया जा रहा होता है जब पर्यावरण से किसी नकारात्मक उद्दीपन को हटाया जाता है; यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई व्यवहार बना रहे?**

1. Positive punishment / सकरात्मक दण्ड

2. Positive reinforcement / सकरात्मक पुनर्बलन

3. Negative punishment / नकारात्मक दण्ड

4. Negative reinforcement / नकारात्मक पुनर्बलन

**Correct Answer :-**

- Negative reinforcement / नकारात्मक पुनर्बलन

---

**14) What was the neutral stimulus in Ivan Pavlov's famous experiment on classical conditioning? / शास्त्रीय अनुबंधन (क्लासिकल कंडीशनिंग) पर इवान पावलोव के प्रसिद्ध प्रयोग में तटस्थ प्रेरणा (न्यूट्रल स्टीम्यूलस) क्या थी?**

1. Salivation / लालास्रवण

2. Food / भोजन

3. Bell / घंटी

4. Dog / कुत्ता

**Correct Answer :-**

- Bell / घंटी

---

**15) In reasoning the association begins with a problem and ends with a ____. / तर्क में, एसोसिएशन एक समस्या से शुरू होता है और एक _____ के साथ समाप्त होता है।**

1. Dream / स्वप्न

2. Problem / समस्या

3. Solution / समाधान

4. Image / छवि

**Correct Answer :-**

- Solution / समाधान

---

**16) In relation to the development of intelligence, the results of twin studies indicate that: / बुद्धि के विकास के संबंध में, जुड़वा अध्ययनों के परिणाम इंगित करते हैं कि:**

1. Both genetic and environmental factors are important./ आनुवांशिक और वातावरणीय दोनों कारक महत्वपूर्ण हैं।

2. Neither genetic nor environmental factors are important./ न तो आनुवंशिक और न ही वातावरणीय कारक महत्वपूर्ण हैं।

3. Environmental factors are more important than genetic factors./ आनुवंशिक कारकों की तुलना में वातावरणीय कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं।

4. Genetic factors are more important than environmental factors. / वातावरणीय कारकों की तुलना में आनुवंशिक कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं।

**Correct Answer :-**

- Both genetic and environmental factors are important./ आनुवांशिक और वातावरणीय दोनों कारक महत्वपूर्ण हैं।

**17) How has Pavlov's theory on classical conditioning influenced the research on behavior management in schools today? / शास्त्रीय अनुकूलन (क्लासिकल कंडीशनिंग) पर पावलोव के सिद्धांत ने वर्तमान में विद्यालयों में व्यवहार प्रबंधन पर अनुसंधान को किस प्रकार प्रभावित किया है?**

1. Teachers remain composed, keep things in perspective and get back to the main task of teaching. / शिक्षक रचना करते हैं, चीजों को संबंधित परिप्रेक्ष्य में रखते हैं और शिक्षण के मुख्य कार्य पर वापस आते हैं।

2. Teachers notice every little thing going on in the classroom. / शिक्षक को कक्षा में हो रही हर छोटी-बड़ी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

3. Teachers have clear lesson goals and make proper use of group work./ शिक्षकों के पास स्पष्ट पाठ लक्ष्य होता है और समूह कार्य का उचित उपयोग करते हैं।

4. Teachers make children aware of what good behavior is and provide rewards for this. Teachers also use punishments to discourage negative behavior. / शिक्षक द्वारा बच्चों को जागरूक करना चाहिए कि अच्छा व्यवहार क्या है और इसके लिए प्रोत्साहन देना चाहिए। शिक्षक द्वारा नकारात्मक व्यवहार को हतोत्साहित करने के लिए दंड भी देना चाहिए।

**Correct Answer :-**

- Teachers make children aware of what good behavior is and provide rewards for this. Teachers also use punishments to discourage negative behavior. / शिक्षक द्वारा बच्चों को जागरूक करना चाहिए कि अच्छा व्यवहार क्या है और इसके लिए प्रोत्साहन देना चाहिए। शिक्षक द्वारा नकारात्मक व्यवहार को हतोत्साहित करने के लिए दंड भी देना चाहिए।

**18) Children typically feel emotions related to fear when they have: / बच्चे आमतौर पर डर से संबंधित भावनाओं को महसूस करते हैं जब उनमें निम्न होता है:**

1. Bi-polar disorder / बाई-पोलर डिसऑर्डर

2. ADHD / एडीएचडी

3. Autism / ऑटिज्म

4. Anxiety disorder / चिंता (एंजाइटी) डिसऑर्डर

**Correct Answer :-**

- Anxiety disorder / चिंता (एंजाइटी) डिसऑर्डर

**19) Childhood becomes a central factor for the behavior as adults, according to __________ approach. / _______ दृष्टिकोण के अनुसार, वयस्कों के रूप में व्यवहार के लिए बचपन एक केंद्रीय कारक बन जाता है।**

1. Sociocultural / समाज सांस्कृतिक

2. Humanistic / मानवतावादी

3. Psychoanalytic / मनोविश्लेषण

4. Behavioral / व्यावहारिक

**Correct Answer :-**

- Psychoanalytic / मनोविश्लेषण

**20) Some children are able to process more when information is presented visually. This refers to their ____. / कुछ बच्चे अधिक प्रक्रिया करने में सक्षम होते हैं जब जानकारी दृष्टिगत रूप से प्रस्तुत की जाती है। यह उनके_______ को संदर्भित करता है।**

1. Preferences / प्राथमिकताओं

2. Ideas / विचारों

3. Interests / रुचियों

4. Learning styles / अधिगम शैलियों

**Correct Answer :-**

- Learning styles / अधिगम शैलियों

**21) Who is the central focus for an individual to get guidance in school? / विद्यालय में मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए किसी व्यक्ति का मुख्य ध्यान (सेंट्रल फोकस) किस पर होना चहिये?**

1. Friends/ दोस्त

2. Parents/ माता-पिता

3. Neighbors/ पड़ोसियों

4. Oneself / स्वयं

**Correct Answer :-**

- Oneself / स्वयं

22) **Who proposed the Bobo doll experiment? / बोबो गुड़िया प्रयोग किसने प्रस्तावित किया था?**

1. Bandura / बॅण्डुरा
2. Erikson / एरिक्सन
3. Pavlov / पावलोव
4. Vygotsky / वाइगोत्सकी

**Correct Answer :-**

- Bandura / बॅण्डुरा

23) **Who believed that teachers should teach by appealing to students' natural instincts to investigate & create? / कौन मानता था कि शिक्षकों द्वारा छात्रों को शोध और रचना में प्रवीण करने के लिये उनकी प्राकृतिक प्रवृत्ति उभारना चाहिए?**

1. Jean Piaget/ जीन पियाजे
2. Jean Lave/ जीन लावे
3. John Flarell/ जॉन फैरेल
4. John Dewey/ जॉन डूई

**Correct Answer :-**

- John Dewey/ जॉन डूई

24) **In Maslow's Hierarchy of Needs the top level need is known as: / मास्लो के आवश्यकता पदानुक्रम में, शीर्ष अवस्था की आवश्यकता को निम्न रूप में जाना जाता है:**

1. Efficiency needs / दक्षता आवश्यकता (ईफिसियेंसी नीड्स)
2. Growth needs / विकास आवश्यकता (ग्रोथ नीड्स)
3. Important needs / महत्वपूर्ण आवश्यकता (इम्पॉर्टेंट नीड्स)
4. Deficiency needs / न्यून आवश्यकता (डिफिसियेंसी नीड्स)

**Correct Answer :-**

- Growth needs / विकास आवश्यकता (ग्रोथ नीड्स)

**25) How do parents assist in gender stereotyping? / माता-पिता, लिंग स्टीरियोटाइपिंग में कैसे सहायता करते हैं?**

1. Childhood peer groups are segregated along gender lines. / बचपन के साथी समूहों को लिंग लाइन्स के हिसाब से अलग किया जाता है।
2. Schools emphasize different academic subjects for male and female students. / स्कूल, पुरुष और महिला छात्रों के लिए विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर जोर देते हैं।
3. Parents place their children in gender-specific schools. / माता-पिता अपने बच्चों को लिंग-विशिष्ट स्कूलों में रखते हैं।
4. Parents force children to follow traditional gender roles. / माता-पिता बच्चों को पारंपरिक लिंग भूमिकाओं का अनुसरण करने के लिए बाध्य करते हैं।

**Correct Answer :-**

- Parents force children to follow traditional gender roles. / माता-पिता बच्चों को पारंपरिक लिंग भूमिकाओं का अनुसरण करने के लिए बाध्य करते हैं।

---

**26) Who proposed the concept of a language acquisition device, found universally in all children? / सभी बच्चों में सार्वभौमिक रूप से पायी जाने वाली भाषा अर्जन प्रविधि (लैंग्वेज एक्विजिशन डिवाइस) की अवधारणा किसने प्रस्तुत की?**

1. Jean Piaget / जीन पियाजे
2. B.F. Skinner / बी.एफ.स्किनर
3. E.L. Thorndike / ई. एल. थॉर्नडाइक
4. Noam Chomsky / नोम चौमस्की

**Correct Answer :-**

- Noam Chomsky / नोम चौमस्की

---

**27) What is the term used to describe the gradual stopping of the relationship between a conditioned stimulus and a conditioned response? / अनुबंधित उद्दीपक और अनुबंधित अनुक्रिया के बीच संबंध के क्रमिक ठहराव का वर्णन करने के लिए किस शब्द का उपयोग किया जाता है?**

1. Reinforcement schedule / पुनर्बलन अनुसूची
2. Punishment / दंड
3. Shaping / निरुपण(शेपिंग)
4. Extinction / विलोप

**Correct Answer :-**

- Extinction / विलोप

**28) The most important characteristic in differentiating a child with a special need is: / एक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को अलग करने वाली सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है:**

1. Face problem in completing his homework / जिसे अपना गृह कार्य (होमवर्क) पूरा करने में समस्या का सामना करना पड़ता है।
2. Has abilities different from an average child / जिसकी क्षमता औसत बच्चों से भिन्न होती है।
3. Has poor relationships with peers / जिसके साथियों के साथ खराब संबंध हैं।
4. Does not perform well in academics / एकेडमी में अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है।

**Correct Answer :-**

- Has abilities different from an average child / जिसकी क्षमता औसत बच्चों से भिन्न होती है।

**29) The rules of presenting the contents to make them easy are called:**

**/ सामग्री को आसान बनाने के लिए प्रस्तुत करने के नियमों को कहा जाता है:**

1. Method of teaching / शिक्षण की विधि
2. Teaching strategies / शिक्षण रणनीतियाँ
3. Maxims of teaching / शिक्षण के सूत्र
4. Techniques of teaching / शिक्षण की तकनीकें

**Correct Answer :-**

- Maxims of teaching / शिक्षण के सूत्र

**30) The term cerebral Palsy was introduced and popularized by ______. / शब्द प्रमस्तिष्क अंगघात (सेरेब्रल पाल्सी) को ______ द्वारा प्रस्तावित और लोकप्रिय बनाया गया।**

1. Gardner / गार्डनर
2. Piaget / पियाजे
3. Dr. William John Little / डॉ. विलियम जॉन लिटिल
4. Sir William Osler / सर विलियम ओसलर

**Correct Answer :-**

- Sir William Osler / सर विलियम ओसलर

Topic:- General Hindi (L1GH)

**1)** **वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: 'एक पत्र छाँह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय क्या है?**

1. इनमें से कोई नहीं

2. लोग उबारने का प्रयत्न करें।

3. संभव है कि लोग मदद की पेशकश करें।

4. किसी की पेशकश स्वीकार नहीं करना चाहिए।

**Correct Answer :-**

- किसी की पेशकश स्वीकार नहीं करना चाहिए।

**2)** **वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: कवि बार-बार ऐसा क्यों कहता है, 'कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ!'**

1. संकल्पबद्ध होने के लिए

2. इनमें से कोई नहीं

3. वह झूठ न बोल सके

4. ताकि आदमी मुकर न जाए

**Correct Answer :-**

- संकल्पबद्ध होने के लिए

---

**3) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: असफल होने और गिरने वाले व्यक्ति का हौसला कवि किन शब्दों से बढ़ा रहा है?**

1. उपर्युक्त सभी

2. केवल माँग मत

3. केवल कर शपथ

4. केवल लथपथ

**Correct Answer :-**

- उपर्युक्त सभी

---

**4) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: इस कविता में बार-बार प्रयुक्त शब्द 'अग्निपथ' क्या है?**

1. रस

2. प्रतीक

3. छंद

4. अलंकार

**Correct Answer :-**

- प्रतीक

---

**5) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: इस कविता का मूलभाव क्या है?**

1. उपर्युक्त सभी भाव
2. केवल यही कि कठिन दौर में भी वह न रुके, न झुके
3. केवल यही कि कठिन दौर में भी व्यक्ति अचल रहे
4. केवल यही कि व्यक्ति खून-पसीने से सन जाने के बाद भी दृढ रहे

**Correct Answer :-**

- उपर्युक्त सभी भाव

---

**6) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: अपनी मंज़िल के पाने के लिए आँधी की तरह बढ़ रहे मनुष्य को कवि ने क्या कहा है?**

1. कर शपथ, कर शपथ
2. तू न थमेगा कभी!
3. तू न मरेगा कभी
4. तू न जलेगा कभी

**Correct Answer :-**

- तू न थमेगा कभी!

---

**7) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: अपनी मंज़िल की ओर बढ़ता हुए मनुष्य को कवि ने किस चीज़ से लथपथ कहा है?**

1. उपर्युक्त सभी

2. केवल अश्रु

3. केवल रक्त

4. केवल स्वेद

**Correct Answer :-**

- उपर्युक्त सभी

---

**8) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: जीवन में जब कठिन समय आता है तभी किसकी परीक्षा होती है?**

1. इनमें से कोई नहीं

2. किसी की नहीं

3. किसी पशु की

4. किसी व्यक्ति की

**Correct Answer :-**

- किसी व्यक्ति की

---

**9) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: व्यक्ति जब जीवन के कठिन दौर से गुजरे तो उसे क्या करना चाहिए?**

1. हाय तौबा करना चाहिए।
2. शुतुरमुर्ग की तरह सिर छुपा लेना चाहिए।
3. किसी से मदद की गुहार नहीं करनी चाहिए और अपने रास्ते पर बढ़ते रहना चाहिए।
4. मददगारों को जलील करना चाहिए।

**Correct Answer :-**

- किसी से मदद की गुहार नहीं करनी चाहिए और अपने रास्ते पर बढ़ते रहना चाहिए।

---

**10) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: किसी मनुष्य की क्या चीज़ उसे अपनी मंज़िल तक पहुँचा सकती है?**

1. बड़े लोगों की मदद

2. दृढ़ इच्छाशक्ति

3. किसी की सहायता

4. अच्छा स्वास्थ्य

**Correct Answer :-**

- दृढ़ इच्छाशक्ति

---

**11) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: 'वृक्ष हों भले खड़े, हों घने, हों बड़े,' से कवि का संकेत किस ओर है?**

1. बड़े और घने वटवृक्ष

2. कदंब के घने जंगल

3. पीपल के बड़े पेड़

4. शक्तिशाली और समृद्ध लोग

**Correct Answer :-**

- शक्तिशाली और समृद्ध लोग

**12) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: 'तू न थमेगा कभी, तू न मुड़ेगा कभी' कवि क्यों कहता है?**

1. वह कभी मुड़ता ही नहीं।

2. प्रतीज्ञारत मनुष्य कठिन परिस्थितियों से नहीं डरता है।

3. मंज़िल की तलाश उसे नहीं है।

4. वह चुपचाप घूमता रहता है।

**Correct Answer :-**

- प्रतीज्ञारत मनुष्य कठिन परिस्थितियों से नहीं डरता है।

**13) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: 'तू न थकेगा कभी!' कवि ने किसे कहा है?**

1. छोटे-छोटे बालक को

2. अपने मित्र को

3. यूँ ही कह दिया

4. जुनूनी आदमी को

**Correct Answer :-**

- जुनूनी आदमी को

---

**14) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: 'यह महान दृश्य है' कह कर कवि ने किस दृश्य को महान कहा है?**

1. इनमें से कोई नहीं

2. अग्नि का पथ मोहक भी होता है

3. दिये की आग मोहक लगती है

4. कठिन रास्ते से अपनी मंज़िल को अग्रसर होने को

**Correct Answer :-**

- कठिन रास्ते से अपनी मंज़िल को अग्रसर होने को

---

**15) वृक्ष हों भले खड़े,**

**हों घने हों बड़े,**

**एक पत्र छाँह भी,**

**माँग मत, माँग मत, माँग मत,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**तू न थकेगा कभी,**

**तू न थमेगा कभी,**

**तू न मुड़ेगा कभी,**

**कर शपथ, कर शपथ, कर शपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**यह महान दृश्य है,**

**चल रहा मनुष्य है,**

**अश्रु स्वेद रक्त से,**

**लथपथ लथपथ लथपथ,**

**अग्निपथ अग्निपथ अग्निपथ।**

**उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरूप प्रयोग किया है?**

1. जिस रास्ते में आग लगी हो

2. इनमें से कोई नहीं

3. जीवन के कठिन दौर को

4. अग्नि के पथ को

**Correct Answer :-**

- जीवन के कठिन दौर को

---

**16) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छ्वसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: शरीर की आवश्यकता ने किस चीज़ को कहीं कोने में डाल रक्खा है?**

1. राष्ट्र प्रेम

2. कला प्रेम

3. मानसिक वृतियों

4. पशु प्रेम

**Correct Answer :-**

- मानसिक वृतियों

---

**17) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया**

**ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: मानव जब पृथ्वी पर आया तो क्या लेकर आया?**

1. नींद

2. सोना

3. चाँदी

4. भूख

---

**Correct Answer :-**

- भूख

---

**18) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: मानव को मानव किसने बनाया?**

1. शैतान ने

2. गुलाब ने

3. गेहूँ ने

4. भगवान ने

**Correct Answer :-**

- गुलाब ने

**19) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: अपनी नाव में किसका पंख लगाकर मानव उड़ा जा रहा था?**

1. पतवार का

2. मोर का

3. कबूतर का

4. चिड़ियों का

**Correct Answer :-**

- पतवार का

**20) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु,**

चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

**प्रश्न: गेहूँ के लिए क्या जोते जा रहे हैं और उजाड़े जा रहे हैं?**

1. इनमें से कोई नहीं

2. गाँव और घर

3. राज्य और जिले

4. खेत और बाग

**Correct Answer :-**

- खेत और बाग

---

**21)** गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

**प्रश्न: गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब का हम क्या करते हैं?**

1. सूँघते हैं।

2. बेचते हैं।

3. खाते हैं।

4. सजाते हैं।

**Correct Answer :-**

- सूँघते हैं।

**22) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनै: शनै: प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: एक से शरीर का क्या होता है और दूसरे से मानस का क्या होता है?**

1. जीवन और मृत्यु

2. सुस्ती और मस्ती

3. पुष्टि और तृप्त

4. तुष्टि और अतृप्त

**Correct Answer :-**

- पुष्टि और तृप्त

**23) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-**

पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

**प्रश्न: जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं तो क्या निकला?**

1. परिहास

2. अट्टहास

3. प्रथम संगीत

4. मुस्कान

**Correct Answer :-**

- प्रथम संगीत

---

**24)** गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन

**वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: जब उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थी तब उसकी भूख क्या कर रही थी?**

1. इनमें से कोई नहीं

2. उद्वेलित थी

3. शांत थी

4. खाँव-खाँव

**Correct Answer :-**

- खाँव-खाँव

**25) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी किसी को क्यों नहीं छोड़ा?**

1. घर बनाने के लिए

2. इनमें से कोई नहीं

3. गुस्सा शांत करने के लिए

4. भूख मिटाने के लिए

**Correct Answer :-**

- भूख मिटाने के लिए

**26) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: मनुष्य का काफला आज किस पर टूट पड़ा है?**

1. गुलाब पर

2. गेहूँ पर

3. जानवरों पर

4. गेंदे पर

**Correct Answer :-**

- गेहूँ पर

**27) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें**

अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: मानव ने बाँस से लाठी के अलावा और क्या बनाया?**

1. वंशी

2. हल

3. डंडा

4. चटाई

**Correct Answer :-**

- वंशी

**28)** गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उससे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: मानव ने पशुओं की खाल और सींग से क्या बनाया?**

1. ढोल और तुरही

2. वस्तु और वस्त्र

3. कपड़े और अस्त्र

4. कुछ नहीं

**Correct Answer :-**

- ढोल और तुरही

**29) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

**रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छ्वसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।**

**उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।**

**प्रश्न: बेचारा गुलाब-भरी जवानी में क्या ले रहा है?**

1. रस

2. पानी

3. सिसकियाँ

4. धूप

**Correct Answer :-**

- सिसकियाँ

**30) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं - पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर तृप्त मानस? जब मानव पृथ्वी पर आया, भूख लेकर। क्षुधा, क्षुधा, पिपासा, पिपासा। क्या खाए, क्या पिए? माँ के स्तनों को निचोड़ा, वृक्षों को झकझोरा, कीट-पतंग, पशु-पक्षी - कुछ न छुट पाए उसे! गेहूँ - उसकी भूख का काफला आज गेहूँ पर टूट पड़ा है? गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ, गेहूँ उपजाओ! मैदान जोते जा रहे हैं, बाग उजाड़े जा रहे हैं - गेहूँ के लिए। बेचारा गुलाब - भरी जवानी में सिसकियाँ ले रहा है। शरीर की आवश्यकता ने मानसिक वृत्तियों को कहीं कोने में डाल रक्खा है, दबा रक्खा है। किंतु, चाहे कच्चा चरे या पकाकर खाए - गेहूँ तक पशु और मानव में क्या अंतर? मानव को मानव बनाया गुलाब ने! मानव मानव तब बना जब उसने शरीर की आवश्यकताओं पर मानसिक वृत्तियों को तरजीह दी। यही नहीं, जब उसकी भूख खाँव-खाँव कर रही थी तब भी उसकी आँखें गुलाब पर टँगी थीं। उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियाँ गेहूँ को ऊखल और चक्की में पीस-कूट रही थीं। पशुओं को मारकर, खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ, उनकी खाल का बनाया ढोल और उनकी सींग की बनाई तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब उसके छप-छप में उसने ताल पाया, तराने छोड़े ! बाँस से उसने लाठी ही नहीं बनाई, वंशी भी बनाई।**

रात का काला-घुप्प परदा दूर हुआ, तब यह उच्छवसित हुआ सिर्फ इसलिए नहीं कि अब पेट-पूजा की समिधा जुटाने में उसे सहूलियत मिलेगी, बल्कि वह आनंद-विभोर हुआ, उषा की लालिमा से, उगते सूरज की शनैः शनैः प्रस्फुटित होनेवाली सुनहली किरणों से, पृथ्वी पर चम-चम करते लक्ष-लक्ष ओसकणों से! आसमान में जब बादल उमड़े तब उनमें अपनी कृषि का आरोप करके ही वह प्रसन्न नहीं हुआ। उनके सौन्दर्य-बोध ने उसके मन-मोर को नाच उठने के लिए लाचार किया, इन्द्रधनुष ने उसके हृदय को भी इन्द्रधनुषी रंगों में रँग दिया! मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानांतर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की। गेहूँ की आवश्यकता उसे है, किंतु उसकी चेष्टा रही है गेहूँ पर विजय प्राप्त करने की।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

**प्रश्न: मानव-शरीर में पेट का स्थान नीचे है, हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का कहाँ है?**

1. बहुत आगे

2. सबसे ऊपर

3. एकदम बीच में

4. ऊपर

**Correct Answer :-**

- सबसे ऊपर

Topic:- General Urdu(L2GU)

**1)** غلام عباس کا افسانہ ہے

1. آنندی

2. آپا

3. اپنے دکھ مجھے دے دو

4. آخری آدمی

**Correct Answer :-**

- آنندی

**2)** درج ذیل میں کس شاعر کا تعلق لکھنؤ سے تھا

1. فیض
2. درد
3. اقبال
4. ناسخ

**Correct Answer :-**

- ناسخ

---

**3)** اپنے ایک شعر میں کس شاعر نے شاعری کو مرصع سازی سے تعبیر کیا ہے

1. درد
2. ناسخ
3. فیض
4. آتش

**Correct Answer :-**

- آتش

---

**4)** مادھو کس افسانے کا کردار ہے

1. چارپائی
2. دیاسلائی

3. کفن

4. بحث و تکرار

**Correct Answer :-**

- کفن

---

**5)** جملہ 'ناچ نہ آوے آنگن ٹیڑھا' ہے

1. کہاوت

2. محاورہ

3. مثال

4. حکایت

**Correct Answer :-**

- کہاوت

---

**6)** درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

غیروں پہ کھل نہ جائے کہیں راز دیکھنا

1. غالب

2. سودا

3. درد

4. مومن

**Correct Answer :-**

- مومن

7) سرسید تھے

1. شاعر
2. رباعی گو
3. داستان نگار
4. نثر نگار

**Correct Answer :-**

- نثر نگار

8) درج ذیل میں سے کس نثری صنف میں مافوق فطری عناصر پائے جاتے ہیں

1. داستان
2. ناول
3. ڈرامہ
4. مثنوی

**Correct Answer :-**

- داستان

9)

درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟
شمع ہر رنگ میں جلتی ہے سحر ہونے تک

1. مومن

2. غالب

3. درد

4. سودا

**Correct Answer :-**

- غالب

---

**10)** درج ذیل میں پریم چند کی تخلیق ہے

1. کفن

2. چارپائی

3. دیاسلائی

4. بحث و تکرار

**Correct Answer :-**

- کفن

---

**11)** مرزا فرحت اللہ بیگ جانے جاتے ہیں

1. خاکہ نگار کی حیثیت سے

2. سوانح نگار کی حیثیت سے

3. ناول نگار کی حیثیت سے

4. ڈرامہ نگار کی حیثیت سے

**Correct Answer :-**

- خاکہ نگار کی حیثیت سے

---

**12)** درد کا پورا نام ہے

1. خواجہ میر

2. خواجہ باقی

3. خواجہ حیدر

4. خواجہ نظیر

**Correct Answer :-**

- خواجہ میر

---

**13)** درج ذیل مصرعہ کس کا ہے؟

سارے جہاں سے اچھا ہندوستاں ہمارا

1. چکبست

2. کیفی

3. احسان دانش

4. اقبال

**Correct Answer :-**

- اقبال

14) 'رات اور ریل' کس کی نظم ہے

1. کیفی

2. اقبال

3. احسان دانش

4. مجاز

**Correct Answer :-**

- مجاز

15) راجندر سنگھ بیدی کا افسانہ ہے

1. اپنے دکھ مجھے دے دو

2. آنندی

3. آپا

4. آخری آدمی

**Correct Answer :-**

- اپنے دکھ مجھے دے دو

**16)** صحیح لفظ ہے

1. کھلوط

2. خلوت

3. خلوط

4. کھلوت

**Correct Answer :-**

- خلوت

**17)** 'نیا شوالہ' کس کی نظم ہے

1. کیفی

2. احسان دانش

3. اقبال

4. مجاز

**Correct Answer :-**

- اقبال

---

**18)** عندلیب کے معنی ہے

1. فاختہ
2. طوطا
3. کبوتر
4. بلبل

**Correct Answer :-**

- بلبل

---

**19)** لفظ 'آرام طلب' میں طلب ہے

1. فعل
2. سابقہ
3. لاحقہ
4. فاعل

**Correct Answer :-**

- لاحقہ

---

**20)**

غالب کے ہم عصر تھے

1. درد
2. مومن
3. سودا
4. میر

**Correct Answer :-**

- مومن

---

**21)** جملہ 'پاؤں بھاری ہونا' ہے

1. محاورہ
2. حکایت
3. کہاوت
4. قول

**Correct Answer :-**

- محاورہ

---

**22)** عصا کے معنی ہے

1. دشمنی
2. ناکامی

3. کامیابی

4. لاٹھی

**Correct Answer :-**

- لاٹھی

23) لفظ 'نیک بخت' میں نیک ہے

1. فاعل

2. سابقہ

3. لاحقہ

4. فعل

**Correct Answer :-**

- سابقہ

24) سرسید کا انشائیہ ہے

1. چارپائی

2. کفن

3. دیاسلائی

4. بحث و تکرار

**Correct Answer :-**

- بحث و تکرار

25) دیا شنکر کی مثنوی کا نام ہے

1. گلزار نسیم
2. سحر البیان
3. خواب و خیال
4. زہر عشق

**Correct Answer :-**

- گلزار نسیم

26) صحیح لفظ ہے

1. کھواطین
2. خواتین
3. کھواتین
4. خواطین

**Correct Answer :-**

- خواتین

27) خودنوشت سوانح کا تعلق ہے

1. غیر افسانوی ادب سے
2. افسانوی ادب سے
3. شعری ادب سے
4. رپورتاژ سے

**Correct Answer :-**

- غیر افسانوی ادب سے

28) عناد کے معنی ہے

1. دشمنی
2. ناکامی
3. دوستی
4. کامیابی

**Correct Answer :-**

- دشمنی

29) درج ذیل میں کس کا تعلق افسانوی ادب سے ہے

1. ناول

2. داستان

3. مثنوی

4. ڈرامہ

**Correct Answer :-**

- داستان

30) شیخ امام بخش کا تخلص تھا

1. درد

2. ناسخ

3. آتش

4. فیض

**Correct Answer :-**

- ناسخ

Topic:- HINDI (HIN)

**1) मूल्यांकन किसी की शक्ति तथा कमजोरी, उसकी कमियों और अच्छाईयों का दर्पण है।**

**ऊपर दिया गया कथन किसका है -**

1. मॉर्स और विन्गो

2. मांटेसरी

3. वुडवर्थ

4. पॉवलाव

**Correct Answer :-**

- मॉर्स और विन्गो

**2) 'पराजित पीढ़ी के नाम' किसके द्वारा रचित निबंध है?**

1. मनोज सोनकर

2. मनोहर श्याम जोशी

3. रवींद्रनाथ त्यागी

4. हरिश नवल

**Correct Answer :-**

- रवींद्रनाथ त्यागी

**3) एक ही कक्षा में कोई छात्र शुद्ध लेखन करता है और कोई अशुद्ध लेखन करता है तो यह सिद्धांत है -**

1. चयन का सिद्धांत

2. अनुपात एवं क्रम का सिद्धांत

3. वैयक्तिक विभिन्नता का सिद्धांत

4. अभिप्रेरणा एवं रुचि का सिद्धांत

**Correct Answer :-**

- वैयक्तिक विभिन्नता का सिद्धांत

**4) कार्यालय में आने वाले पत्रों की सूचना जिस पुस्तिका में लिखी जाती हैं, उसे _______ कहते हैं।**

1. पत्र रजिस्टर

2. आवक रजिस्टर

3. जावक रजिस्टर

4. सूचना रजिस्टर

**Correct Answer :-**

- आवक रजिस्टर

**5) शिक्षण को प्रभावशाली बनाने वाले सामग्री हैं -**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल ब्लैक-बोर्ड
3. केवल पाठ्यपुस्तक
4. केवल मानचित्र

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**6) शिक्षण विधियों का प्रयोग करते वक्त बच्चों की किन बातों का विशेष ध्यान देना चाहिए ?**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल कठिनाई
3. केवल त्रुटियाँ
4. केवल रुचि

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**7) सर्वप्रथम किस विद्वान ने भक्ति काल को हिंदी साहित्य का 'स्वर्ण युग' कहा था?**

1. डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. लक्ष्मीनारायण लाल
3. डॉ.ग्रियर्सन
4. राहुल सांकृत्यायन

**Correct Answer :-**

- डॉ.ग्रियर्सन

**8) किस प्रगतिवादी कवि का उपनाम 'सुमन' उपनाम है?**

1. रामेश्वनर शुक्ल
2. केदारनाथ अग्रवाल
3. शिवमंगल सिंह
4. त्रिलोचन

**Correct Answer :-**

- शिवमंगल सिंह

**9) लेखन में किस प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं -**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल वर्तनी
3. केवल वाक्य रचना
4. केवल विराम चिन्ह

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**10) विद्यालय में पीने के पानी की व्यवस्था के लिए लिखा गया पत्र किस प्रकार का पत्र माना जाएगा?**

1. कार्यालयीन पत्र
2. व्यक्तिगत पत्र
3. शिकायत पत्र
4. प्रार्थना पत्र

**Correct Answer :-**

- प्रार्थना पत्र

**11) इनमें से कौन-सी विशेषता रेडियो नाटक की है?**

1. रेडियो नाटक में ध्वनि और शब्द ही प्रमुख साधन होते हैं।
2. रेडियो नाटक में एक ही पात्र होता है।
3. रेडियो नाटक में व्यंग्य की आवश्यकता नहीं होती।
4. रेडियो नाटक में संगीत आवश्यक नहीं होता है।

**Correct Answer :-**

- रेडियो नाटक में ध्वनि और शब्द ही प्रमुख साधन होते हैं।

**12) अच्छी पाठ्यपुस्तक के गुण नहीं हैं -**

1. कलात्मकता
2. छात्रों में जिज्ञासा उत्पन्न करना
3. भाषा का क्लिष्ट होना
4. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम व्यवस्थित ढंग से संग्रहीत होना

**Correct Answer :-**

- भाषा का क्लिष्ट होना

**13) 'अवधी' किस वर्ग (उपभाषा) की बोली है?**

1. पश्चिमी हिंदी
2. राजस्थानी
3. पहाड़ी हिंदी
4. पूर्वी हिंदी

**Correct Answer :-**

- पूर्वी हिंदी

**14) 'महिला सशक्तिकरण' पर लिखित निबंध किस श्रेणी में आयेगा?**

1. आर्थिक मुद्दे से सम्बंधित
2. उपरोक्त किसी से सम्बंधित नहीं
3. सामाजिक मुद्दे से सम्बंधित
4. महिला से सम्बंधित

**Correct Answer :-**

- सामाजिक मुद्दे से सम्बंधित

**15) 'किस श्रेणी के निबंध गंभीर मनन और बौद्धिक चिंतन से युक्त होते हैं'?**

1. संश्लेषणात्मक निबंध
2. विश्लेषणात्मक निबंध
3. वर्णनात्मक निबंध
4. विचारात्मक निबंध

**Correct Answer :-**

- विचारात्मक निबंध

**16) 'आदरणीय महोदय' संबोधन किस प्रकार के पत्र में प्रयुक्त होता है?**

1. कार्यालयीन पत्र
2. पारिवारिक पत्र

3. छात्रों को पत्र

4. विज्ञापन

**Correct Answer :-**

- कार्यालयीन पत्र

17) **किस छन्द के छः विषम चरण के प्रथम चार चरण रोला तथा अंतिम दो चरण उल्लाला के होते हैं।**

1. दंडक छन्द

2. छप्पय छन्द

3. घनाक्षरी छन्द

4. कवित्त छन्द

**Correct Answer :-**

- छप्पय छन्द

18) **भारतेन्दु के व्यक्तित्व में फक्कड़पन और मस्ती भरी हुई थी। वे इतिहास प्रसिद्ध अमीचंद के वंशज और काशी के प्रसिद्ध रईस गोपालचंद के पुत्र थे। वे 'जो घर जारै आपना चलै हमारे साथ' के अनुयायी थे। यदि अमीचंद ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को स्थापित करने में सहायता पहुँचायी थी तो भारतेन्दु ने उस उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की। वे अपनी छोटी-सी जिन्दगी में अमीचंद के कुकृत्यों का प्रायश्चित करते रहे। यदि एक ओर उनमें आभिजात्य संस्कार था तो दूसरी ओर उसे फेंककर जनता के साथ एकीकृत होने की क्षमता। अन्तर्विरोध उनमें कई थे।**

**उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**

**गद्यांश मे दिए गए पद 'अन्तर्विरोध' से क्या आशय है?**

1. विरोधी गुण

2. प्रसिद्ध

3. आभिजात्य

4. उपनिवेशवाद

**Correct Answer :-**

- विरोधी गुण

19) **भारतेन्दु के व्यक्तित्व में फक्कड़पन और मस्ती भरी हुई थी। वे इतिहास प्रसिद्ध अमीचंद के वंशज और काशी के प्रसिद्ध रईस गोपालचंद के पुत्र थे। वे 'जो घर जारै आपना चलै हमारे साथ' के अनुयायी थे। यदि अमीचंद ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को स्थापित करने में सहायता पहुँचायी थी तो भारतेन्दु ने उस उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की। वे अपनी छोटी-सी जिन्दगी में अमीचंद के कुकृत्यों का प्रायश्चित करते रहे। यदि एक ओर उनमें आभिजात्य संस्कार था तो दूसरी ओर उसे फेंककर जनता के साथ एकीकृत होने की क्षमता। अन्तर्विरोध उनमें कई थे।**

**उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**

**गद्यांश के अनुसार अमीचंद ने कौन-सा कुकृत्य किया था?**

1. अभिजात्य संस्कार

2. उनमें अन्तर्विरोध थे

3. उनके व्यक्तित्व में फक्कड़पन था

4. उपनिवेशवाद को स्थापित होने मे सहायता

**Correct Answer :-**

- उपनिवेशवाद को स्थापित होने मे सहायता

---

**20) भारतेन्दु के व्यक्तित्व में फक्कड़पन और मस्ती भरी हुई थी। वे इतिहास प्रसिद्ध अमीचंद के वंशज और काशी के प्रसिद्ध रईस गोपालचंद के पुत्र थे। वे 'जो घर जारै आपना चलै हमारे साथ' के अनुयायी थे। यदि अमीचंद ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को स्थापित करने में सहायता पहुँचायी थी तो भारतेन्दु ने उस उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की। वे अपनी छोटी-सी जिन्दगी में अमीचंद के कुकृत्यों का प्रायश्चित करते रहे। यदि एक ओर उनमें आभिजात्य संस्कार था तो दूसरी ओर उसे फेंककर जनता के साथ एकीकृत होने की क्षमता। अन्तर्विरोध उनमें कई थे।**

**उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**

**गद्यांश के अनुसार भारतेन्दु ने किसके विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की?**

1. कुकृत्यों के

2. फक्कड़पन और मस्ती के

3. आभिजात्य संस्कार के

4. उपनिवेशवाद के

**Correct Answer :-**

- उपनिवेशवाद के

---

**21) भारतेन्दु के व्यक्तित्व में फक्कड़पन और मस्ती भरी हुई थी। वे इतिहास प्रसिद्ध अमीचंद के वंशज और काशी के प्रसिद्ध रईस गोपालचंद के पुत्र थे। वे 'जो घर जारै आपना चलै हमारे साथ' के अनुयायी थे। यदि अमीचंद ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को स्थापित करने में सहायता पहुँचायी थी तो भारतेन्दु ने उस उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की। वे अपनी छोटी-सी जिन्दगी में अमीचंद के कुकृत्यों का प्रायश्चित करते रहे। यदि एक ओर उनमें आभिजात्य संस्कार था तो दूसरी ओर उसे फेंककर जनता के साथ एकीकृत होने की क्षमता। अन्तर्विरोध उनमें कई थे।**

**उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**

**प्रस्तुत गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए**

1. भारतेन्दु का जीवन संघर्ष

2. भारतेंदु का कृतित्व

3. वैचारिकता और भारतेन्दु

4. संस्कार और भारतेन्दु

**Correct Answer :-**

- भारतेंदु का कृतित्व

**22) भारतेन्दु के व्यक्तित्व में फक्कड़पन और मस्ती भरी हुई थी। वे इतिहास प्रसिद्ध अमीचंद के वंशज और काशी के प्रसिद्ध रईस गोपालचंद के पुत्र थे। वे 'जो घर जारै आपना चलै हमारे साथ' के अनुयायी थे। यदि अमीचंद ने अंग्रेजी उपनिवेशवाद को स्थापित करने में सहायता पहुँचायी थी तो भारतेन्दु ने उस उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की। वे अपनी छोटी-सी जिन्दगी में अमीचंद के कुकृत्यों का प्रायश्चित करते रहे। यदि एक ओर उनमें आभिजात्य संस्कार था तो दूसरी ओर उसे फेंककर जनता के साथ एकीकृत होने की क्षमता। अन्तर्विरोध उनमें कई थे।**

**उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**

**भारतेन्दु के व्यक्तित्व की कौन-सी दो विशेषताएँ यहाँ बताई गई हैं?**

1. गोपालचंद के पुत्र थे

2. वे फक्कड़ और मस्ती से भरे हुए थे

3. अमीचंद के वंशज थे

4. उपनिवेशवाद के विरुद्ध वैचारिक जमीन तैयार की

**Correct Answer :-**

- वे फक्कड़ और मस्ती से भरे हुए थे

**23) यह कथन किसके द्वारा कहा गया है -'नए युग में जिन नवीन ढंग के निबंधों का प्रचलन हुआ है वे व्यक्ति की स्वाधीन चिन्ता की उपज है।'**

1. विजयेन्द्र स्नातक

2. हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. रामचंद्र शुक्ल

4. डॉ. नागेन्द्र

**Correct Answer :-**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी

**24) एक अच्छे सामाजिक पत्र में निम्न में से कौन-सी विशेषताएँ होनी चाहिए?**

1. राष्ट्रीयता, ममत्व और कवित्व

2. सौजन्यता, सहृदयता और शिष्टता

3. अपनत्व, तथ्यात्मकता और वैचारिकता

4. भाषा, व्याकरण और हाशिया

**Correct Answer :-**

- सौजन्यता, सहृदयता और शिष्टता

**25) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'रामचरितमानस' में सात काण्ड हैं, उनमें निम्न में से कौन-सा नहीं है?**

1. किष्किन्धाकाण्ड

2. लंकाकाण्ड

3. सुन्दरकाण्ड

4. रावणवधकाण्ड

**Correct Answer :-**

- रावणवधकाण्ड

**26) नीचे दी गई पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?**

**बिनु पद चलै,सुनै बिनु काना ।**

**कर बिनु करम करै विधि नाना।**

**आनन रहित सकल रस भोगी ।**

**बिनु बानी वकता बड़ जोगी ।।**

1. वीप्सा अलंकार

2. विभावना अलंकार

3. संदेह अलंकार

4. उपमा अलंकार

**Correct Answer :-**

- विभावना अलंकार

**27) मौखिक अभिव्यक्ति का उदाहरण नहीं हैं -**

1. अंत्याक्षरी

2. पत्र-लेखन

3. घटना वर्णन

4. चुटकुले सुनाना

**Correct Answer :-**

- पत्र-लेखन

**28) औपचारिक पत्रों में 'पत्रांक' लिखना क्यों अनिवार्य है?**

1. आकृष्ट करने के लिए

2. सहृदयता दिखाने के लिए

3. संदर्भ के लिए

4. बाहरी सजावट के लिए

**Correct Answer :-**

- संदर्भ के लिए

**29) भाषा विकास का दूसरा चरण है -**

1. सुनना

2. पढ़ना

3. बोलना

4. लिखना

**Correct Answer :-**

- बोलना

**30) भाषा शिक्षण में मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है:**

1. उपरोक्त सभी

2. केवल छात्रों की असफलता को जानने में

3. केवल छात्रों की क्षमता और कमजोरियों को जानने में

4. केवल शिक्षण प्रक्रिया को सफल व प्रभावी बनाने में

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**31) भाषा शिक्षण के बोलचाल के सिद्धांत द्वारा -**

1. भाषा सीखने में कम समय लगता है।

2. भाषा सीखने में अस्थिरता होती है।

3. भाषा सीखने में कठिनाई होती है।

4. भाषा सीखने में अधिक समय लगता है।

**Correct Answer :-**

- भाषा सीखने में कम समय लगता है।

**32) रेडियो उदहारण है -**

1. इनमें से कोई नहीं

2. दृश्य-श्रव्य सामग्री

3. दृश्य सामग्री

4. श्रव्य सामग्री

**Correct Answer :-**

- श्रव्य सामग्री

---

**33) कथाकार प्रेमचंद का जन्म इनमें से किस गाँव में हुआ था?**

1. बनारस

2. इलाहाबाद

3. लमही

4. मेदिनीपुर

**Correct Answer :-**

- लमही

---

**34) संपादक को लिखे जाने वाले स्पष्टीकरण पत्र का मूल उद्देश्य क्या होता है?**

1. भ्रांतियों का प्रतिवाद करना

2. उत्तर माँगना

3. इतिहास बताना

4. विज्ञापन देना

**Correct Answer :-**

- भ्रांतियों का प्रतिवाद करना

---

**35) बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं?**

1. उपरोक्त सभी

2. केवल सुनकर

3. केवल लिखकर

4. केवल बोलकर

**Correct Answer :-**

• उपरोक्त सभी

**36) निम्नलिखित में से किस छन्द के प्रत्येक चरण में क्रमशः एक मगण,एक भगण,एक नगण,दो तगण, और दो गुरु होते हैं तथा वह सत्रह वर्णों का होता है-**

1. मंद्राकान्ता छन्द

2. मंजूभाषिणी छन्द

3. शिखरिणी छन्द

4. मालिनी छन्द

**Correct Answer :-**

• मंद्राकान्ता छन्द

**37) निम्न पंक्तियों में कौन सा काव्य गुण है?**

**वह आता ,**

**दो टूक कलेजे के करता पछताता**

**पथ पर आता ।**

**पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक ,**

**चल रहा लकुटिया टेक,**

**मुट्ठी भर दाने को, भूख मिटाने को ,**

**मुँह फटी पुराणी झोली की फैलाता ।।**

1. दीर्घ गुण

2. ओज गुण

3. प्रसाद गुण

4. माधुर्य गुण

**Correct Answer :-**

• प्रसाद गुण

**38) निम्न पंक्तियों में कौन सा गुण है?**

**कंकन किंकिनि नूपुर धुनि सुनि। कहत लखन सन रामु हृदयँ गुनि॥**

**मानहुँ मदन दुंदुभी दीन्ही। मनसा बिस्व बिजय कहँ कीन्ही॥**

1. हास्य गुण

2. ओज गुण

3. प्रसाद गुण

4. माधुर्य गुण

**Correct Answer :-**

- माधुर्य गुण

**39) निम्न में से कौन-सा सरकारी पत्र का प्रकार नहीं है?**

1. शासनादेश

2. परिपत्र

3. पल्लवन

4. ज्ञापन

**Correct Answer :-**

- पल्लवन

**40) निम्न में से कौन-सा कहानीकार नई कहानी आन्दोलन से नहीं जुड़ा था?**

1. निर्मल वर्मा

2. राजेन्द्र यादव

3. अमरकांत

4. जयशंकर प्रसाद

**Correct Answer :-**

- जयशंकर प्रसाद

**41) निम्न में से कौन सा भाषा का तत्व नहीं है?**

1. भाषा असामाजिक होती है।

2. भाषा ध्वनिमूलक होती है।

3. भाषा एक व्यवस्था है।

4. भाषा प्रतीकात्मक होती है।

**Correct Answer :-**

- भाषा असामाजिक होती है।

**42) निम्न में से किस मुहावरे का अर्थ 'स्पष्ट रूप से मना कर देना' होता है?**

1. कुआँ खोदना।

2. कोरा जवाब देना।

3. कीड़े काटना।

4. कोई कसर न छोड़ना।

**Correct Answer :-**

- कोरा जवाब देना।

**43) निम्न में से कौन महाप्रबंध का भेद नहीं है?**

1. महाकाव्य

2. खण्ड प्रबंध

3. पुराण

4. आख्यान

**Correct Answer :-**

- खण्ड प्रबंध

**44) निम्न में से मौखिक अभिव्यक्ति कौशल है-**

1. उपरोक्त सभी

2. केवल वार्तालाप

3. केवल सत्संग

4. केवल भाषण

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**45) निम्न में से कौन सा वाक्य, मिश्र वाक्य का उदाहरण नहीं है?**

1. वह पेड़ उग आया है जो तुमने लगाया था।

2. दुर्ग से कुछ दूर बीस फुट ऊँचा स्तम्भ था।

3. मैं जनता हूँ कि वह कहीं चला गया है।

4. जब वह आयेगा तब मैं चला जाऊँगा।

**Correct Answer :-**

- दुर्ग से कुछ दूर बीस फुट ऊँचा स्तम्भ था।

**46) निम्न में से कौन से भक्तिकालीन कवि पहले सगुण थे किन्तु बाद मे निर्गुण बन गए?**

1. नामदेव

2. दादूदयाल

3. रैदास

4. गुरु नानक देव

**Correct Answer :-**

- नामदेव

**47) निम्न में से कौन-से निबंधकार ललित एवं सांस्कृतिक निबंधकार के रूप में ख्याति प्राप्त हैं?**

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. रामवृक्ष बेनीपुरी

4. हरिशंकर परसाई

**Correct Answer :-**

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

**48) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?**

**हे प्रभो आनन्द दाता, ज्ञान हमको दीजिए। शीघ्र सारे दुर्गुणों को, दूर हमसे कीजिए।।**

**लीजिये हमको शरण में, हम सदाचारी बनें। ब्रहमचारी धर्मरक्षक, वीरव्रत धारी बनें ।।**

1. कुंडल छन्द

2. दिगपाल छन्द

3. गीतिका छन्द

4. रोला छन्द

**Correct Answer :-**

- गीतिका छन्द

**49) सूफी कवि एवम् उनकी रचनाओं के असंगत युग्म को पहचानिए।**

1. चंदायन - मलिक मुहम्मद जायसी

2. ज्ञानदीप - शेख नबी

3. मधुमालती - मंझन

4. चित्रावली - उसमान

**Correct Answer :-**

- चंदायन - मलिक मुहम्मद जायसी

---

**50) निम्नलिखित विकल्पों में से व्याकरण से जुड़े शिक्षण उद्देश्य बताइए ?**

1. उपर्युक्त सभी

2. केवल ज्ञान

3. केवल कौशल

4. केवल ज्ञान प्रयोग

**Correct Answer :-**

- उपर्युक्त सभी

---

**51) निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास जैनेन्द्र का नहीं है?**

1. कल्याणी

2. जयवर्धन

3. परख

4. गुनाहों का देवता

**Correct Answer :-**

- गुनाहों का देवता

---

**52) निम्न रचनाओं में से कौन सी भारतेन्दु हरिशचन्द्र की नहीं है?**

1. प्रेम तरंग

2. प्रेम पचीसी

3. प्रेम सरोवर

4. प्रेम माधुरी

**Correct Answer :-**

- प्रेम पचीसी

---

**53) "सबसे उत्तम कहानी वह होती है, जिसका आधार किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर हो।" - यह किसका कथन है?**

1. यशपाल

2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

3. प्रेमचन्द

4. जैनेन्द्र

**Correct Answer :-**

- प्रेमचन्द

**54) जॉन ड्यूवी द्वारा समर्थित 'लैब विद्यालय' के उदाहरण बताइएं-**

1. प्रगतिशील विद्यालय

2. जन विद्यालय

3. सामान्य विद्यालय

4. फैक्टरी विद्यालय

**Correct Answer :-**

- प्रगतिशील विद्यालय

**55) बालकृष्ण भट्ट जी के द्वारा लिखित 'वकील' किस शैली में रचित है?**

1. रचनात्मक निबंध

2. वर्णनात्मक निबंध

3. विचारात्मक निबन्ध

4. ललित निबंध

**Correct Answer :-**

- वर्णनात्मक निबंध

**56) महादेवी वर्मा के काव्य में निम्न में से कौन-से प्रतीक सर्वाधिक प्रयुक्त हुए हैं?**

1. दीपक और बादल

2. नदी और जल

3. गाँव और किसान

4. प्रकृति और मनुष्य

**Correct Answer :-**

- दीपक और बादल

**57)**

**प्रगतिवाद काव्य के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है?**

1. प्रगतिवादी कवियों ने शोषण का प्रतिरोध किया है।

2. प्रगतिवादी कवियों ने सामान्य मनुष्य के संघर्षो को अपनी कविताओं में स्थान दिया है।

3. प्रगतिवादी कवियों ने प्रकृति के कोमल रूप का चित्रण अपनी कविताओं में किया है।

4. प्रगतिवादी कवियों ने सामाजिक यथार्थ का चित्रण किया है।

**Correct Answer :-**

- प्रगतिवादी कवियों ने प्रकृति के कोमल रूप का चित्रण अपनी कविताओं में किया है।

**58) हिंदी की प्रसिद्ध कहानीकार बंगमहिला का असली नाम क्या था?**

1. कमला जोशी

2. राजेन्द्रबाला घोष

3. मन्नू भंडारी

4. उषादेवी मित्रा

**Correct Answer :-**

- राजेन्द्रबाला घोष

**59) सही विकल्प चुनिए-**

**हिंदी ___________ तब कही जा सकती है जब जब जनता के स्तर पर वह संपर्क भाषा बन जाये।**

1. राष्ट्र भाषा

2. गुप्त भाषा

3. संपर्क भाषा

4. राजभाषा

**Correct Answer :-**

- राष्ट्र भाषा

**60) सही विकल्प बताएं -**

**__________ मनोवेगों के संस्कार रूप में प्रतिष्ठित, स्मृत और पुनः अनुभूत स्वरूप हैं।**

1. भाव तत्व

2. कल्पना तत्व

3. अर्थ तत्व

4. बुद्धि तत्व

**Correct Answer :-**

- भाव तत्व